चलती ट्रेन में चूत चुदाई का पहला अनुभव

“मैंने कभी चुदाई नहीं की थी. अम्बाला से जोधपुर जाते हुए ट्रेन में मुझे एक आंटी मिली और मुझे अपने जीवन की पहली चूत चुदाई करने को मिली. आप पढ़ें और आनन्द लें कि ये सब कैसे हुआ. …”

Story By: (cblucky)
Posted: Saturday, January 26th, 2019
Categories: पहली बार चुदाई
Online version: चलती ट्रेन में चूत चुदाई का पहला अनुभव

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चलती ट्रेन में चूत चुदाई का पहला अनुभव

नमस्ते दोस्तो, मैं करीब 4 साल से अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ. यह कहानी मेरा पहला अनुभव है, जो कि इसी दिसंबर महीने में हुआ.

सबसे पहले मैं आपको अपना परिचय दे दूं. मैं जोधपुर का रहने वाला हूँ, मेरा नाम लकी है. मेरा कद 5 फुट 4 इंच है. मेरे लंड की लंबाई 5 इंच है और ये काफी मोटा है. मैं इस समय अम्बाला में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा हूँ. वैसे तो मैं एक सीधा सा लड़का हूं, क्लास में भी लड़कियों से बहुत कम ही बात करता हूं. पर सेक्स करने की इच्छा तो हर किसी में होती है, सो मैं अन्तर्वासना की कहानियां पढ़ कर मुठ मार लेता था. मुझे अभी तक किसी लड़की के साथ सेक्स करने का मौका नहीं मिला था. लेकिन ट्रेन में मिली एक आंटी ने मुझे ये मीठा अनुभव भी दे दिया था. उसी अनभव को आज मैं आपके साथ साझा कर रहा हूँ.

मेरी कॉलेज की छुट्टियां शुरू हुईं, तो मैं ट्रेन से अपने घर जाने को निकल गया. मेरी ट्रेन करीब रात के बारह बजे की थी, तो मैं साढ़े ग्यारह स्टेशन पर आ गया. ट्रेन आधा घंटा देर से आई. फिर मैं अपनी सीट खोज कर वहां पे आ कर बैठ गया. मेरी सीट ऊपर वाली थी. लेकिन मैं नीचे ही बैठ गया था. थोड़ी देर में ट्रेन वहां से चल पड़ी. मैं भी अपने बैग से कम्बल निकाल कर ओढ़ के लेट गया.

अगले किसी स्टेशन पे एक अधेड़ उम्र की औरत आ कर बैठ गयी. वो देखने में मस्त माल लग रही थी. सफेद रंग की पजामी और शायद बैंगनी रंग का सा कुर्ता पहन रखा था. ऊपर से उसने हरे रंग की शॉल ओढ़ रखी थी. उसकी सफ़ेद पजामी में मोटी मोटी जांघें बड़ी मस्त लग रही थीं.

ट्रेन चली तो ठंड भी बढ़ने लगी. उस औरत ने सिर्फ शॉल ले रखी थी. मैंने महसूस किया कि

उनको सर्दी लग रही थी. मैं सीट पे बैठ गया और उससे बात करने लगा. बातचीत के दौरान ही मैंने अपना आधा कम्बल उन्हें दे दिया. कम्बल में आ जाने से उनको सर्दी से काफी राहत मिल रही थी. मुझे ऊपर अपनी बर्थ पर जाना था, लेकिन बैठ न पाने के कारण मैं कुछ सोचने लगा.

इधर मैं अभी यही सोच रहा था तो आंटी ने मुझसे पूछा- क्या सोच रहे हो ?
मैंने बताया कि मेरी ऊपर वाली बर्थ की वजह से उस पर सही से बैठ नहीं पा रहा हूँ.
तो आंटी ने मुझे उसी नीचे वाली सीट पर ही बैठने को कह दिया ताकि हम दोनों आराम से बैठ सकें. उनके ऊपर वाली बर्थ अभी खाली थी, तो वो फोल्ड की हुई थी. मैं भी मौके की तलाश में था. इसलिए उनकी जांघ के पास चिपक के बैठ गया. तभी ट्रेन अगले स्टेशन पर रुकी और वो मिडिल वाली बर्थ, जिस मुसाफिर की थी, वो आ गया तो बर्थ को अनफोल्ड करना पड़ गया.

अब ट्रेन भी चल पड़ी तो मैं साइड में टेढ़ा से हो कर लेट गया और आंटी भी मेरी जांघ का तकिया सा बना कर लेट गईं.

इतनी देर में आंटी मेरे साथ बातों में काफी खुल गयी थीं. मैं भी पहली बार किसी के साथ इतना फ्रैंक हो रहा था. उन्होंने बताया कि उनके पति होमगार्ड हैं और वो अब उनके साथ नहीं रहते.
फिर उन्होंने पूछा कि तुम्हारी कोई गर्लफ्रैंड नहीं है क्या ?
मैंने न में जवाब देते हुए सिर हिला दिया. तो वो धीरे धीरे सेक्स के बारे में पूछने लगीं. मैं थोड़ा सा घबरा गया लेकिन मैंने भी ठरकी बनते हुए धीरे से उनके मम्मों पर हाथ रख दिया.

आंटी के मम्मों पर हाथ रखते वक्त मेरी डर के मारे हालत खराब हो रही थी.
तभी आंटी ने मुझे घूरते हुए हाथ हटा दिया और बोलीं- ये क्या कर रहे हो ?

उस समय ट्रेन के लगभग सारे यात्री सो रहे थे. पूरे डिब्बे में 2-3 लाइट ही जल रही थीं, लेकिन मेरी डर के मारे फटी पड़ी थी. मैं कुछ बोल भी नहीं पा रहा था. मैंने आंटी के मम्मों से हाथ हटा लिया था.
तभी मैंने मेरी जांघों के बीच में हलचल महसूस की और पाया कि आंटी का हाथ मेरे लंड के ऊपर आ गया था और वो धीरे धीरे मेरे लंड को सहलाने लगी थीं.

मैंने उनकी ओर देखा तो वो आंख मार के मुस्करा दीं. आंटी ने मेरे लोअर को नीचे सरका दिया. फिर वो कुछ इस तरह से लेट गईं कि उनका मुँह मेरे लंड के करीब हो गया. आंटी लेटे-लेटे ही मेरा लंड चूसने लगीं. मुझे दिखाई कम ही दे रहा था, लेकिन फिर भी मैंने ऊपर तक कम्बल से दोनों को ढक लिया था. वो मेरा लंड चूसे जा रही थीं. मुझे मस्त मजा आ रहा था. सच में ये मेरे जीवन का पहला अनुभव था, जब कोई महिला मेरा लंड चूस रही थीं. मैं बता नहीं सकता कि मुझे कितना अधिक हॉट लग रहा था.

थोड़ी ही देर में मैं आंटी के मुँह में ही झड़ गया. फिर उन्होंने मुझे चूत चाटने को कहा, लेकिन मैंने मना कर दिया और कम्बल के अन्दर घुस के उनको किस करने लगा और मम्मों को मसलने लगा. काफी देर तक चूमा चाटी करने के बाद मैंने आंटी की पजामी निकाल दी. उन्होंने पजामी एक टांग से उतार दी और पैंटी भी निकाल दी.

चूंकि हम दोनों कम्बल के अन्दर थे और में थोड़ी थोड़ी देर बाद मुँह बाहर निकाल कर देख रहा था कि कोई देख न ले.

मैं आंटी की चूत में उंगली किए जा रहा था. उनकी चूत पर हल्के हल्के बाल थे. मैंने फिर दो उंगलियां आंटी की चूत में डाल दीं. वो भी गांड उठा उठा कर चूत में फिंगर फक के मजे ले रही थीं. मैं एक हाथ से आंटी के मम्मों को भी दबाए जा रहा था और हल्का हल्का किस भी कर रहा था.

अब आंटी की चूत ने पानी छोड़ दिया था. वो मुझे सरकाते हुए नीचे लेट गईं और मुझे ऊपर चढ़ने का इशारा कर दिया. मैं आंटी के ऊपर चढ़ गया, तो उन्होंने अपनी टांगें खोल दीं. मैंने लंड से चूत के छेद का रास्ता खोजा, तो आंटी ने खुद से मेरा लंड पकड़ कर मेरा लंड अपनी चूत पर लगा दिया. लंड को चूत का मुहाना मिलते ही मैंने हल्का सा धक्का दे मारा. आंटी ने हल्की सी आह की आवाज़ की और इसी के साथ मेरा सारा लंड अपनी चूत में निगल लिया.

मैं भी ऊपर से धक्के मारने लगा. वो भी सिसकारियां भरते हुए नीचे से हल्का हल्का हिल रही थीं. ट्रेन के हिलते हुए चलने के साथ हमारा मजा दोगुना हो गया था. मैं आंटी को चोदते हुए कभी उनके होंठ चूस रहा था, तो कभी उनके मम्मों को दबा रहा था.

करीब 10-15 मिनट की चुदाई के बाद वो और मैं दोनों हांफते हुए झड़ गए. मैंने अपना सारा माल आंटी की चूत में डाल दिया और निढाल हो कर उनके ऊपर ही लेट गया. हम एक दूसरे को किस कर रहे थे.

फिर आंटी ने मुझे अपने ऊपर से हटा दिया और अपने कपड़े सही करके बाथरूम में चली गईं. उनके आने के बाद मैं भी बाथरूम में गया और खुद को साफ करके आ गया.

अब हम दोनों नार्मल होकर लेटे से बैठ गए. हम दोनों ने कम्बल अपने ऊपर ले लिया था. सुबह करीब 4 बजे आंटी का स्टेशन आ गया, तो मैं उनके साथ डिब्बे से बाहर आ गया. इधर ट्रेन दस मिनट रूकती थी. हम दोनों ने चाय पी. जब ट्रेन का सिग्नल ग्रीन हो गया, तो मैं अपनी सीट पर जाने लगा.

आंटी ने मेरे गाल पर किस किया और बाय बोला. मैं भी अपनी सीट पर आ के बैठ गया. ट्रेन वहां से चल पड़ी.

तो दोस्तो, ये थी मेरी ट्रेन की चुदाई की कहानी.. आपको कैसी लगी, आप मुझे मेल करके अपनी राय अवश्य दें.

cblucky1999@gmail.com

Other stories you may be interested in

कुंवारी कजिन सिस्टर के साथ सेक्स का मजा

दोस्तो, मेरा नाम शुभम है और मैं चंडीगढ़ से हूँ. मेरी उमर 23 साल की है. मैं दिखने में स्मार्ट हूँ और मेरा रंग साफ़ है. मेरे लंड का साइज़ साढ़े छह इंच का है. आज मैं आपको सेक्स कहानी […]

Full Story >>>

गर्लफ्रेंड की चूत के साथ उसकी माँ की चूत फ्री

कैसे हो दोस्तो, मेरा नाम विकास कुमार नागर है. मेरी उम्र 21 साल है और मैं यू.पी. से हूँ। मेरी हाइट 6.3 फीट है और मेरे लण्ड का साइज़ 7 इंच है। मैं एक गाँव का ही रहने वाला हूँ […]

Full Story >>>

हुस्न की जलन बनी चूत की अगन-3

मेरा उत्तर सुनकर लता भाभी एकदम रोमांचित हो गई और मुझसे लिपट गई ; कहने लगी- देवर जी, यह मेरी खुशकिस्मती है कि आपका लंड फर्स्ट टाइम मेरी चूत में जाएगा और आप पहली बार मुझे चोदोगे. मैं लता भाभी को […]

Full Story >>>

चुदासी चाची के मोटे चूचे और गांड

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा प्रणाम ! मैं इस साइट का नियमित पाठक हूँ. यह मेरी दूसरी कहानी है. यह कहानी मेरी और मेरी चाची की है. मैं आपको बताऊंगा कि मैंने अपने चाची को किस तरह चोदा. कहानी शुरू […]

Full Story >>>

दौड़ पड़ी मेरी बीवी की चुदाई एक्सप्रेस-3

प्रिय मित्रो, आपने इस सेक्स कहानी के पिछले भाग में मेरी बीवी नीना और किराएदार प्रशांत की शानदार चुदाई का लेखाजोखा पढ़ा, जो अगले कुछ महीने बाद ही नीना की जुबानी मुझे मालूम हुआ. मुझे आप लोगों की ढेर सारी […]

Full Story >>>